श्याम से श्यामा बोली चलो खेलेंगे होली

श्याम से श्यामा बोली चलो खेलेंगे होली

बाग़ है यह अलबेला, लगा कुंजो में मेला,
हर कोई नाचे गाये, रहे कोई ना अकेला ।
झूम कर हर कोई बोलो हर बरस आये यह होली ॥
चलो खेलेंगे होली...

कभी वृन्दावन खेले, कभी बरसाने खेले,
कभी गोकुल में खेले, कभी बरसाने खेले ।
रंगी नंदगाव की गालीयाँ, रंगी भानु की हवेली ॥
चलो खेलेंगे होली...

ग्वाल तुम संग में लाना, मेरे संग सखीयाँ होंगी,
उन्हें तुम रंग लगाना, चाह वो करती होंगी ।
तुम्हे मैं दूंगी गाली, काहे खेलत हो होरी ॥
चलो खेलेंगे होली...

कभी गुलाल उडाए, कभी मारे पिचकारी,
कभी रंग जाए राधा, कभी रंग जाए बिहारी ।
है कैसा मस्त महिना, है कैसी सुन्दर जोड़ी ॥
चलो खेलेंगे होली...

स्वर : अलका गोएल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1420/title/shyam-se-shyama-boli-chalo-khelenge-holi-bhajan-by-Alka-Goel

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |